मेरी सफलता की कहानी

मैं सोमबीर सुपुत्र श्री जगदीश गांव बालन्द, जिला रोहतक का निवासी हूँ। मेरे पास 1.5 एकड़ जमीन है। मैं एक छोटा सा किसान हूँ और मेरे पास जो 1.5 एकड़ जमीन है उसमें हर समय पानी भरने के कारण यह जमीन जलभराव से ग्रस्त रहती थी। जलभराव के कारण इस जमीन में पिछले 10–12 वर्षों में कोई फसल नहीं हो पा रही थी। फिर मुझे वन विभाग द्वारा खाली जमीन में पौधा लगाने की स्कीम का पता चला तो मैनें तुरन्त वन विभाग के कार्यालय में अपनी जमीन में पौधा लगवाने की अर्जी लगाई। वन विभाग की सामुदायिक वानिकी रेंज, रोहतक के कर्मचारियों की टीम ने मेरी जमीन का निरीक्षण किया, और मुझे JCB द्वारा जमीन में रिज बनवाने को कहा। मैनें अपने खर्चे से रिज बनवाने का कार्य किया। रिज बनाने के उपरान्त सामुदायिक वानिकी रेंज, रोहतक द्वारा मेरी जमीन में सफेदा क्लोन के कुल 1010 पौधे लगवाये। मैनें वन विभाग द्वारा दिये गये दिशा–निर्देशानुसार पूरी मेहनत से पौधों की देख–भाल की और आज जिस जमीन में पूरे वर्ष पानी भरा रहता था वहां पर आज लगभग 35 फुट ऊंचाई और 60" मोटाई के सफेदे की फसल लहरा रही है। जिसे देखकर में बहुत खुश हूँ। मेरे साथ लगते अन्य किसानों में मुझे बताया कि मेरे द्वारा जो सफेदे के पौधे लगाये है उनके कारण अन्य किसानों की जमीन में भी नमी की मात्रा कम हुई है। अब मंदी के समय में भी मेरे इन वृक्षों की 3.5 लाख रूपये की कीमत लग चुकी है, लेकिन मैं कुछ और समय लगाकर इसे उचित दाम पर बेचना चाहता हूँ। मैं सफेदो से होने वाली आमदनी से अपना घर बनाने का सपना पूरा करूंगा। अभी साहब मेरी जमीन से कुछ भी आमदनी न होने के कारण मैं, पुराने टायर बैचकर अपना गुजारा करता हूँ क्योंकि मेरे पास आय का कोई साधन न है। साहब, मैं जब भी अपने खेत में लगे सफेदों की तरफ देखता हूँ तो में भावुक हो उठता हूँ कि जिस जमीन में पिछले 10–12 वर्षों से कुछ भी नहीं हो पा रहा था, अब उस जमीन में वन विभाग की इस योजना में घर बनाने का सपना पूरा कर सकूंगा।

सोमबीर सुपुत्र श्री जगदीश,
गांव बालन्द, जिला रोहतक
मोबाईल नं0–97285–42386